Research Paper E-ISSN NO : 2455-295X | VOLUME : 7 | ISSUE : 2 | FEBRUARY 2021

समवाय शिक्षा का भौक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव

डॉ. तारा कुमावत [1]

[1] व्याख्याता– राजनीति विज्ञान, विद्याभवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान, रामगिरि, उदयपुर.

ABSTRACT:

आजाद भारत में बुनियादी तालीम को मुख्य धारा की शिक्षा बनाने के बजाए इसको हाशिए पर पटक दिया गया है, यह विडम्बना की बात है। लेकिन एक सार्थक जीवन जीने के लिए व्यक्ति को शिक्षत होना आवशयक है और इस आवशयकता की पूर्ति के लिए गुणात्मक शिक्षा की जरूरत है। उद्योग को यदि विद्यालयी विशयों से समन्वित किया जाए तो चुनौती न दी जा सकने वाली शिक्षण पद्धति बदली जा सकती है और शिक्षा को जीवन की आवशयकताओं से जोड़ा जा सकता है।

KEYWORDS:

आजाद भारत में बुनियादी तालीम को मुख्य धारा की शिक्षा बनाने के बजाए इसको हाशिए पर पटक दिया गया है, यह विडम्बना की बात है। स्वतन्त्र भारत में बनाई जाती रही नीतियों में काम और ज्ञान को जोड़ने क बजाए ज्ञान को ही मुख्य मान लिया गया है। N.C.F. (2005) की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा दैनिक उपयोग की वस्तुओं के उत्पादन और लोगों के शारीरिक और मानसिक स्वस्थ्य की देख–रेख में जुड़ी हो इस तरफ इशारा जरूर करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार काम के माध्यम से व्यक्ति समाज में अपना स्थान बना सकता है। काम को भी शैक्षणिक गतिविधि मानकर अन्तः निर्भरता का ताना बाना बुना जा सकता है।

एक सार्थक जीवन जीने के लिए व्यक्ति को शिक्षित होना आवश्यक है और इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए गुणत्मक शिक्षा की जरूरत है। अमूमन गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा को रटने की प्रणाली से दूर ले जाने वाली पद्धति समझा जाता है जिससे विद्यार्थियों में सम्प्रत्यय को समझने में सहयोगी हो **सकें**। संप्रत्यय की समझ स्थायी तभी हो सकती है जब सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यवहारिक ज्ञान भी प्रदान किया जाए, क्योंकि समस्त ज्ञान अवलोकन और अनुभव से प्राप्त होता है। ज्ञान स्थूल से सूक्ष्म की ओर बढ़ता है, व्यावहारिक से सैद्धांतिक बनता है। इसीलिए, गांधी जी ने कहा कि शिक्षा का प्रारम्भ अंक लिपि या अक्षर से न करके जीवनोपयोगी उद्योग की क्रियाओं से किया जाए ताकि जो ज्ञान प्राप्त हो वह सुसंबद्ध, स्थायी एवं जीवन उपयोगी हो।

उद्योग को यदि विद्यालयी विषयों से समन्वित किया जाए तो पाठ्यक्रम की पुस्तक आधारित सूचनाओं और सामान्यतया चुनौती न दी जा सकने वाली शिक्षण पद्धति बदली जा सकती है और शिक्षा व शिक्षण कला को विद्यार्थियों की जीवन से संबंधी आवश्यकताओं से जोड़ा जा सकता है।

समस्या कथन :–

प्रस्तुत प्रयोगात्मक अध्ययन में "समवाय आधारित शिक्षण एक प्रयोगात्मक अध्ययन" को लिया गया है।

अध्ययन के उद्देश्यः–

1. समवाय आधारित शिक्षण का विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय धानमण्डी के विद्यार्थियों की सम्पूर्ण शैक्षिक उपलब्धि के निम्नलिखित घटकों का उपचार पूर्व तुलनात्मक अध्ययन करना–

   (अ) विषय वस्तु (ब) कठोर कौशल एवं (स) कोमल कौशल

2. समवाय आधारित शिक्षण का विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्ययालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय धानमण्डी के विद्यार्थियों की सम्पूर्ण शैक्षिक उपलब्धि के निम्नलिखित घटकों का उपचार पश्चात् तुलनात्मक अध्ययन करना–

   (अ) विषय वस्तु (ब) कठोर कौशल एवं (स) कोमल कौशल

परिकल्पना :–

1. समवाय आधारित शिक्षण का विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय धानमण्डी के विद्यार्थियों के सम्पूर्ण शैक्षिक उपलब्धि के निम्नलिखित घटकों का पूर्व परीक्षण प्राप्तांकों के बोच कोई सार्थक अन्तर नहीं है–

   (स) विषय वस्तु (ब) कठोर कौशल एवं (स) कोमल कौशल

2. समवाय आधारित शिक्षण का विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय धानमण्डी के विद्यार्थियों के सम्पूर्ण शैक्षिक उपलब्धि के निम्नलिखित घटकों का पश्च परीक्षण प्राप्तांकों के बीच कोई सार्थक अन्तर नहीं है–

   (स) विषय वस्तु (ब) कठोर कौशल एवं (स) कोमल कौशल

समस्या का परिसीमन :–

1. शोध अध्ययन की सीमा राजस्थान राज्य के उदयपुर जिले तक सीमित है।
2. शोध अध्ययन में उदयपुर जिले के दो विद्ययालयों विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय रामगिरि एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय धानमण्डी को सम्मालित किया गया है।
3. शोध अध्ययन में दोनों विद्यालय की कक्षा–8 के विद्यार्थियों को सम्मालित किया गया है।

न्यादर्शः–

न्यादर्श में विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय, रामगिरि व राजकीय माध्यमिक विद्यालय धानमण्डी उदयपुर के कक्षा– 8 के 30–30 विद्यार्थियों को लिया गया है।

विधिः–

शोध अध्ययन में प्रयोगात्मक विधि का प्रयोग किया गया ।

प्रविधिः–

शोध में दत्तों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकी तकनीकी रूप में प्रतिशत, मध्यमान, मानक विचलन, टी–परीक्षण, आरेख एवं सह–संबंध का प्रयोग किया गया।

उपकरणः–

शोध अध्ययन में अप्रमाणीकृत उपकरण के रूप में सम्पूर्ण शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करने हेतु प्रश्नावली, कठोर कौशल (कार्य में दक्षता) हेतु चेकलिस्ट, कोमल कौशल (भावात्मक पक्ष) के लिए अभिमतावली का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकी विश्लेषण :–

सारणी–1

उद्देश्य– 1 (अ) विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों का उपचार पूर्व विषयवस्तु पर प्राप्त मध्यमान प्राप्तांकों की तुलना।

विषयवस्तु	परीक्षण	N	Percentage Mean	Mean Difference	sd	Sed	T Value
बेसिक विद्यालय	पूर्व	30	41.3	28.9	6.8	1.7	0.49
रामवि धानमण्डी	पूर्व	30	40.1	28.1	6.4		

Table Value of 't' Df=58 *0.05 level=2.0 & **0.01 level =2.7

सारणी–2

उद्देश्य– 1 (ब) विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों का उपचार पूर्व कठोर कौशल पर प्राप्त मध्यमान प्राप्तांको की तुलना।

कठोर कौशल	परीक्षण	N	Percentage Mean	Mean Difference	sd	Sed	T Value
बेसिक विद्यालय	पूर्व	30	85.4	68.3	3.8	0.9	0.18
रामवि धानमण्डी	पूर्व	30	85.2	68.2	3.5		

Table Value of 't' Df=58 *0.05 level=2.0 & **0.01 level =2.7

सारणी–3

उद्देश्य– 1 (स) विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों का उपचार पूर्व कोमल कौशल पर प्राप्त मध्यमान प्राप्तांको की तुलना।

कोमल कौशल	परीक्षण	N	Percentage Mean	Mean Difference	sd	Sed	T Value
बेसिक विद्यालय	पूर्व	30	77.8	46.7	6.8	1.7	0.16
रामवि धानमण्डी	पूर्व	30	77.3	46.4	6.0		

Table Value of 't' Df=58 *0.05 level=2.0 & **0.01 level =2.7

सारणी–4

उद्देश्य– 2 (अ) विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के विद्यार्थियों के विषयवस्तु के उपचार पश्चात् प्राप्त मध्यमान प्राप्तांको की तुलना।

विषयवस्तु	परीक्षण	N	Percentage Mean	Mean Difference	sd	Sed	T Value
बेसिक विद्यालय	पश्च	30	73.5	51.4	7.6	2.2	1.37
रामवि धानमण्डी	पश्च	30	69.1	48.4	9.4		

Table Value of 't' Df=58 *0.05 level=2.0 & **0.01 level =2.7

सारणी–5

उद्देश्य– 2 (ब) विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के विद्यार्थियों के कठोर कौशल के उपचार पश्चात् प्राप्त मध्यमान प्राप्तांको की तुलना।

कठोर कौशल	परीक्षण	N	Percentage Mean	Mean Difference	sd	Sed	T Value
बेसिक विद्यालय	पश्च	30	92.7	74.1	3.0	1.1	4.068**
रामवि धानमण्डी	पश्च	30	69.1	48.4	9.4		

Table Value of 't' Df=58 *0.05 level=2.0 & **0.01 level =2.7

सारणी–6

उद्देश्य– 2 (स) विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के विद्यार्थियों के कोमल कौशल के उपचार पश्चात् प्राप्त मध्यमान प्राप्तांको की तुलना।

कठौर कौशल	परीक्षण	N	Percentage Mean	Mean Difference	sd	Sed	T Value
बेसिक विद्यालय	पश्च	30	89.1	53.4	5.0	1.6	3.88**
रामवि धानमण्डी	पश्च	30	78.9	47.4	7.0		

Table Value of 't' Df=58 *0.05 level=2.0 & **0.01 level =2.7

निष्कर्षः–

(अ) विषयवस्तुः–

समवाय आधारित शिक्षण का विद्याभवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के विषयवस्तु के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात प्राप्ताकों का 'टी' मान 12.56 प्राप्त हुआ है जो df 29 पर 'टी' के 0.05 पर टेबलमान 2.04 से बहुत अधिक है अर्थात् विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थिया के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात् प्राप्तांकों में सार्थक अन्तर है।

शोध अध्ययन में विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात् मध्यमान क्रमशः 28.9 एवं 51.4 प्राप्त हुए है और प्रतिशत मध्यमान 41.3 एवं 73.5 प्राप्त हुए है जिससे ज्ञात होता है कि विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की उपचार पश्चात् विषयवस्तु में सार्थक एवं अधिक वृद्धि हुई है।

(ब) कठोर कौशलः–

समवाय आधारित शिक्षण का विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के कठोर कौशल के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात् प्राप्तांकों का 'टी' मान 8.59 प्राप्त हुआ है जो df = 29 पर 'टी' के 0.05 पर टेबलमान 2.04 से अधिक है अर्थात् विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के कठोर कौशल के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात् विषयवस्तु पर सार्थक अन्तर है।

शोध अध्ययन में विद्या भवन दुनियादी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के कठोर कौशल के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात् मध्यमान क्रमशः 68.3 एवं 74.4 प्राप्त हुआ है और प्रतिशत मध्यमान 85.4 एवं 92.7 प्राप्त हुआ है जिससे ज्ञात होता है कि विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के कठार कौशल में सार्थक अधिक वृद्धि हुई है।

(स) कोमल कौशलः–

समवाय आधारित शिक्षण का विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय के के कोमल कौशल के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात् प्राप्तांको का 'टी' मान 7.27 प्राप्त हुआ है जो df 29 पर 'टी' के 0.05 पर टेबलमान 2.04 से अधिक माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के कोमल कौशल पूर्व एवं उपचार पश्चात प्राप्तांकों में सार्थक अन्तर अधिक है।

शोध अध्ययन में उपचार पश्चात् विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय के मध्यमान क्रमशः 46.7 एवं 53.4 और प्रतिशत मध्यमान 77.8 एवं 89.1 प्राप्त हुआ है। जिससे ज्ञात होता है कि विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के कोमल कौशल में सार्थक अधिक वृद्धि हुई है।

निष्कर्षः–

(अ) विषय वस्तु

समवाय आधारित शिक्षण का राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी विद्यार्थियों के विषय वस्तु के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात् प्राप्तांकों का 'टी' मान 10.06 प्राप्त हुआ है जो df = 29 पर 'टी' के 0.05 पर टेबलमान 2.04 से अधिक अर्थात् राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के विषयवस्तु उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात् प्राप्तांकों में सार्थक अन्तर है।

शोध अध्ययन में राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात् माध्यमान क्रमशः 28.1 एवं 48.4 प्राप्त हुए हैं और प्रतिशत मध्यमान 40.1 एवं 69.1 प्राप्त हए है जिससे ज्ञात होता है कि राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों की उपचार पश्चात् विषयवस्तु के संबंध में सार्थक एवं अधिक वृद्धि हुई है।

(ब) कठोर कौशल

समवाय आधारित शिक्षण का राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के कठोर कौशल के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात् प्राप्तांकों का 'टी' मान 1.03 प्राप्त हुआ है जो df 29 पर टी के 0.05 पर टेबलमान 2.04 से कम है। अर्थात् राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के कठोर कौशल के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात् प्राप्तांकों में विषयवस्तु पर कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध अध्ययन में राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के कठोर कौशल के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात् मध्यमान क्रमशः 68.2 एवं 69.6 प्राप्त हुआ है और प्रतिशत मध्यमान 85.2 एवं 87.0 प्राप्त हुआ है जिससे ज्ञात होता है कि राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के कठोर कौशल में नगण्य वृद्धि हुई है।

(स) कोमल कौशल

समवाय आधारित शिक्षण का राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के कोमल कौशल के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात प्राप्तांकों का 'टी' मान 0.56 प्राप्त हुआ है जो df = 29 पर 'टी' के 0.05 पर टेबलमान 2.04 से बहुत कम है अर्थात राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के कोमल कौशल के उपचार पूर्व एवं उपचार पश्चात् प्राप्तांकों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध अध्ययन में उपचार पश्चात राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के मध्यमान क्रमशः 46.4 एवं 47.4 और प्रतिशत मध्यमान 77.3 एवं 78.9 प्राप्त हुआ है जिससे ज्ञात होता है कि राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के कोमल कौशल में नगण्य वृद्धि हुई है।

निष्कर्षः–

(अ) विषयवस्तु

समवाय आधारित शिक्षण का विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के विषयवस्तु पर प्राप्त लब्धि प्रतिशत मध्यमान प्राप्तांक का 'टी' मान 0.81 प्राप्त हुआ है जो df = 58 पर 'टी' के 0.05 पर टेबलमान 2.0 से कम है अर्थात् विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के विषयवस्तु पर प्राप्त लब्धि प्रतिशत मध्यमान प्राप्तांकों में नगण्य सार्थक अन्तर है।

शोध अध्ययन में विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के विषयवस्तु पर लब्धि प्रतिशत मध्यमान क्रमशः 78.0 एवं 72.4 प्राप्त हुए है और मध्यमान अन्तर 22.5 एवं 20.3 प्राप्त हुआ है जिससे ज्ञात होता है कि राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी की तुलना में विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लब्धि प्रतिशत मध्यमान प्राप्तांकों में आंशिक सार्थक वृद्धि हुई है।

(ब) कठोर कौशल

समवाय आधारित शिक्षण का विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के कठोर कौशल पर प्राप्त लब्धि प्रतिशत मध्यमान प्राप्तांकों का 'टी मान 2.90 प्राप्त हुआ है जो. df 29 पर 'टी' के 0.05 पर टेबलमान 20 से अधिक है अर्थात् विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक 'विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के कठोर कौशल पर प्राप्त लधि प्रतिशत माध्यमान प्राप्तांकों में सार्थक अन्तर है।

शोध अध्ययन में विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी के विद्यार्थियों के कठोर कौशल पर लधि प्रतिशत मध्यमान प्राप्तांक क्रमशः 8.5 एवं 2.1 प्राप्त हुआ है और मध्यमान अन्तर 5.8 एवं 14 प्राप्त हुआ है जिससे ज्ञात होता है कि राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी की तुलना में विद्या भवन

बुनियादी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लब्धि प्रतिशत मान प्राप्तांकों में सार्थक व अधिक वृद्धि हुई है।

(स) कोमल कौशल

समवाय आधारित शिक्षण का बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के कामल कौशल पर प्राप्त लब्धि प्रतिशत माध्यमान प्राप्तांकों का काम 2.96 प्राप्त हुआ है जो 58 पर 'टी' के 0.05 पर टेबलमान 2.0 से अधिक है अर्थात विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय धानमण्डी के विद्यार्थियों के कोमल कौशल पर प्राप्त लब्धि प्रतिशत मध्यमान में सार्थक अन्तर है।

शोध अध्ययन में विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय धानमण्डी के विद्यार्थियों के कोमल कौशल पर प्राप्त लब्धि प्रतिशत मध्यमान प्राप्तांक क्रमशः 14.5 एवं 2.1 प्राप्त हुए है और मध्यमान अन्तर 6.8 एवं 1–0 प्राप्त हुआ है जिससे ज्ञात होता है कि राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धानमण्डी की तुलना में विद्या भवन बुनियादी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लब्धि प्रतिशत मध्यमान प्राप्तांकों में सार्थक एवं अधिक वृद्धि हुई है।

REFERENCES

1. श्रीवास्तव, वर्मा, डी.एन. **प्रीति** (1971), "मनोविज्ञान और शिक्षा में सांख्यिकी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

2. सुखिया, एस.पी. (1984), "शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा।

3. सुखिया, एस.पी. मेहरोत्रा (1970), शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व", विनाद पुस्तक मन्दिर आगरा।

4. सांख्यधर एवं पालीवाल (1958), "बुनियादी शिक्षण", नवयुग ग्रन्थ कुटी, बीकानेर, राजस्थान, पेज नं. 55–69

5. जोशी एवं बडिया, (1961), "बुनियादी शिक्षा (सिद्धांत एवं मनोविज्ञान)", राजस्थान स्टोर्स, उदयपुर राजस्थान, पेज नं 40–44, 57–59, 72–75

6. राजयजादा. बी.एस. (1979), शिक्षा में अनुसंधान के आवश्यक तत्व, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

7. Recose ¼1967½] "Fundamental Research Statistics for Behavioural Science" New York] Halt Rive Hust and Winston Ine-

8. शर्मा. आर.ए. (1996), "शिक्षा तथा मनोविज्ञान में परा तथा अपरा साख्यिकी आरलाल बुक डिपो, मेरठ।

9. मजूमदार धीरेन्द्र (1900), "समय ग्राम सेवा की ओर", अखिल भारत सर्व संघ प्रकाशन, राजपाट काशी पेज नं 150–165 178–214. 311–3251

10. कोल, नरेन्द्र नाथ (1956), भारत और अन्तर्राष्टोय श्रम संस्था" श्री गोपीनाथ सेठ, नवीन प्रस दिल्ली, पेज नं 1–14 25–521

11. कालेलकर काकासाहब (1957) "बापू की कलम से नवजीवन प्रकाशन,

12. सुमन श्री रामनाथ (1952), गांधी वाणी", साधना सदन, लूकरगंज, इलाहाबाद।

13. डॉ सेन गुप्त मंजी एवं डी. धोटे अशोक कुमार (1987), "स्कूल शिक्षा में कार्यानुभव एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली।

14. प्रभात एस. व्ही (2010), "नवी तालीम (नया परिप्रेक्ष्य)", एन.सी.ई.आर.टी. सिरिल्स पब्लिकेशन नई दिल्ली।

15. जैन यशपाल (1970), "गांधी चिन्तन, गांधी शांति प्रतिष्ठान संस्था साहित्य मण्डल प्रकाशन नई दिल्ली।

16. मित्तल,ए.के. (2008), इलेक्टोशियन थ्योरी", अरिहन्त प्रकाशन, मेरठ।